3. वर्षा ऋतु (The Rainy Season)

भारत में वर्षा ऋतु का आगमन जुलाई के महीने में होता है तथा सितंबर के महीने तक वर्षा होती रहती है। यह ऋतु किसानों के लिए वरदान सिद्ध होती है। वे इस ऋतु में खरीफ की फ़सल बोते हैं। वर्षा ऋतु वनस्पतियों के लिए भी वरदान होती है। वर्षा काल में पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाते हैं। वर्षा-जल से उनमें जीवन का संचार होता है। वन-उपवन और बाग-बगीचों में नई रौनक और नई जवानी आ जाती है। ताल-तलैयों व नदियों में वर्षा-जल उमड़ पड़ता है। धरती की प्यास बुझती है तथा भूमि का जलस्तर बढ़ जाता है। मेढक प्रसन्न होकर टर्र-टर्र की ध्वनि उत्पन्न करने लगते हैं। झींगुर एक स्वर में बोलने लगते हैं। वनों में मोरों का मनभावन नृत्य आरंभ हो जाता है। हरी-भरी धरती और बादलों से आच्छादित आसमान का दृश्य देखते ही बनता है। वर्षा ऋतु गर्मी से झुलसते जीव-समुदाय को शांति एवं राहत पहुँचाती है। लोग वर्षा ऋतु का भरपूर आनंद उठाते हैं।

❀ ❀ ❀